

Calling Attention Notice No. 13

S. Chiranjeev Rao, MLA would like to draw the attention of this august House towards a matter of great public importance on the Prime Minister and Chief Minister's announcement of establishment of AIIMS in Rewari in 2015 and 2019 of which work has not started till now. Government should issue a statement on the floor of the House.

Reply to the Calling Attention Notice No. 13 by Anil Vij, Medical Education Minister, Haryana.

The Union Ministry of Health and Family Welfare, Government of India decided to set up All India Institute of Medical Sciences (AIIMS) in various States with the intention to correct regional imbalances in the availability of affordable tertiary Health care services and to augment facilities for quality Medical Education in the country.

Hon'ble Chief Minister, Haryana while addressing a public meeting in Bawal, District Rewari on 04.07.2015 made an announcement regarding setting up of AIIMS in Village Manethi, Rewari. The matter was taken up with the Union Health & Family Welfare Minister, to include State of Haryana in the proposal to set up AIIMS and for considering establishing AIIMS under Pradhan Mantri Swasthya Suraksha Yojna (PMSSY) in village Manethi, District Rewari. The State Government earmarked 200 acres(approx.) of land in village Manethi, District Rewari (Haryana) for setting up AIIMS.

Gram Panchayat Manethi was to lease 224 Acre 7 Kanal 7 Marla Panchayat land for 99 years for the purpose of establishment of AIIMS. However, the said Panchayat land was found to be in Aravali plantation area and Forest Advisory Committee (FAC) of the Union Ministry of Environment, Forest and Climate changes did not approve the proposal.

Thereafter, Government of Haryana explored the option of establishing AIIMS on some other suitable land and the demand was uploaded on e-Bhoomi portal of Government of Haryana by Medical Education and Research Department. e-Bhoomi portal was opened in the month of February 2020 and total 347.49 Acres land was offered from village Majra Mustil Bhalkhi.

The Government is happy to inform the august house that total 210 Acre 3 Kanal 5 Marla land has been identified in village Majra Mustal Bhalkhi, Rewari through e-Bhoomi portal. Out of this, 149 Acre 4 Kanal 14 Marla land belongs to private owners and 60 Acres 6 Kanal 11 Marla is Gram Panchayat land. Entire land has been purchased at the rate of Rs. 40 lac per acre, including the Gram Panchayat land.

The Council of Minister in its meeting dated 01.12.2022 had approved to lease land for 99 years @ Rs. 1 per Acre per year, to the Union Ministry & Health Family Welfare, Government of India. The Lease Deed of land measuring 203 Acre 3 Kanal 19 Marla has been executed between Medical Education & Research

Department of the State Government and Union Ministry of Health and Family Welfare and possession of encumbrance free land has been handed over.

The MoU has been signed between State Government and Union Ministry of Health and Family Welfare MOHFW on 06/12/2023.

Union Ministry of Health and Family Welfare vide letter dated 28.11.2022 has informed that HITES has been appointed as Executing Agency for taking up activities at the site for setting up of new AIIMS. The construction work has been allotted to M/s Larsen and Toubro vide letter dated 30.12.2023 by HITES. The foundation stone was laid by the Hon'ble Prime Minister of India in a function at site on 16.02.2024.

The AIIMS is being established at a total estimated cost of Rs 1646 crore and including cost of construction of Rs.1221 crore. The AIIMS is expected to be commissioned by November, 2025.

Salient features of the project are as under:

Location of Site :	Majra Mustil, Bhalkhi, District Rewari,Haryana
Total Land :	210 Acre 3 Kanal 5 Marla
Project Cost :	Rs. 1646 Crores
Construction Cost :	Rs.1221 Crores.
Nearest Highway :	National Highway-11 (Rewari- Narnaul Road)
Nearest Town :	Rewari Town around 25 Km.
Nearest Railway Station :	Kund is at around 3 Km
Nearest Airport :	Delhi is at around 96 Km.

Facilities Proposed:

Hospital :	750 Beds (720 Beds + AYUSH 30 Beds) ICU (75 Beds) 16 MOTs +2 Minor OT , Trauma (30 Beds)
Super Speciality departments	15
Modular Operation Theatres:	16
Medical College :	100 MBBS annually
Nursing College :	60 admissions annually
Auditorium :	500 capacity
Night Shelter :	150 capacity
Residential Units	Type II-108
	Type III-18
	Type IV-21
	Type V-24
	Type VI-6
	Director residence
Student Hostels	UG Boys-240
	UG Girls-240
	PG Boys & Girls-312
	Nursing Boys & Girls- 288
Working Nurses Hostel	150
Other facilities	Guest House
	Shopping + Cafeteria
	Animal House
	Central Dining Mess etc.
Services Block	HVAC Plant room; Fire station, Bio-Medical and Solid Waste Management

एस. चिरंजीव राव, विधायक, इस प्रतिष्ठित सदन का ध्यान एक अत्यंत सार्वजनिक महत्व के मामले की ओर आकर्षित करना चाहते हैं, जिसमें प्रधान मंत्री और मुख्यमंत्री ने 2015 और 2019 में रेवाड़ी में एम्स की स्थापना की घोषणा की थी, जिसका काम अब तक शुरू नहीं हुआ है। सरकार को सदन के पटल पर एक बयान जारी करना चाहिए।

अनिल विज, चिकित्सा शिक्षा मंत्री, हरियाणा द्वारा ध्यानाकर्षण सूचना क्रमांक 13 का उत्तर

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की उपलब्धता में क्षेत्रीय असंतुलन को ठीक करने और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा के लिए सुविधाओं को बढ़ाने के इरादे से विभिन्न राज्यों में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान स्थापित करने का निर्णय लिया है।

माननीय मुख्यमंत्री, हरियाणा ने 04.07.2015 को बावल, जिला रेवाड़ी में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए गांव मनेठी, रेवाड़ी में एम्स की स्थापना के संबंध में घोषणा की। एम्स स्थापित करने के प्रस्ताव में हरियाणा राज्य को शामिल करने और प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) के तहत गांव मनेठी, जिला रेवाड़ी में एम्स स्थापित करने पर विचार करने के लिए मामला केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री के समक्ष उठाया गया था। राज्य सरकार ने एम्स की स्थापना के लिए गांव मनेठी, जिला रेवाड़ी (हरियाणा) में 200 एकड़ (लगभग) भूमि चिन्हित की थी।

ग्राम पंचायत मनेठी को एम्स की स्थापना के लिए 224 एकड़ 7 कनाल 7 मरला पंचायत भूमि 99 साल के लिए पट्टे पर देनी थी। उक्त पंचायत भूमि अरावली वृक्षारोपण क्षेत्र में पाई गई और केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की वन सलाहकार समिति (FAC) ने प्रस्ताव को मंजूरी नहीं दी।

इसके बाद, हरियाणा सरकार ने किसी अन्य उपयुक्त भूमि पर एम्स स्थापित करने का विकल्प खोजा और मांग को चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा हरियाणा सरकार के ई-भूमि पोर्टल पर अपलोड किया गया। ई-भूमि पोर्टल फरवरी 2020 में खोला गया था और ग्राम मजरा मुस्तिल भालखी से कुल 347.49 एकड़ भूमि की पेशकश की गई थी।

सरकार को माननीय सदन को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि ई-भूमि पोर्टल के माध्यम से गांव मजरा मुस्तिल भालखी रेवाड़ी में कुल 210 एकड़ 3 कनाल 5 मरला भूमि की पहचान की गई है। इसमें से 149 एकड़ 4 कनाल 14 मरला

जमीन निजी मालिकों की है और 60 एकड़ 6 कनाल 11 मरला ग्राम पंचायत की जमीन है। ग्राम पंचायत की जमीन सहित पूरी जमीन 40 लाख रुपये प्रति एकड़ की दर से खरीदी गई है।

मंत्रिपरिषद ने अपनी बैठक दिनांक 01.12.2022 में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार को 1 रुपये प्रति एकड़ प्रति वर्ष के हिसाब से 99 वर्षों के लिए भूमि पट्टे पर देने की मंजूरी दी थी। राज्य सरकार के शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के बीच 203 एकड़ 3 कनाल 19 मरला भूमि की लीज डीड निष्पादित की गई है और बाधा मुक्त भूमि का कब्जा सौंप दिया गया है।

06/12/2023 को राज्य सरकार के चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग और केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने दिनांक 28.11.2022 के पत्र के माध्यम से सूचित किया है कि नए एम्स की स्थापना के लिए एचआईटीईएस को कार्यकारी एजेंसी के रूप में नियुक्त किया गया है। HITES द्वारा दिनांक 30.12.2023 के पत्र के माध्यम से निर्माण कार्य मेसर्स लार्सन एंड टुब्रो टुब्रो को आवंटित किया गया है। माननीय प्रधान मंत्री द्वारा 16.02.2024 को एक समारोह में चिन्हित स्थल पर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान का शिलान्यास किया गया।

एम्स की स्थापना 1646 करोड़ रुपये की कुल अनुमानित लागत पर की जा रही है और इसमें 1221 करोड़ रुपये की निर्माण लागत भी शामिल है। एम्स के नवंबर, 2025 तक चालू होने की उम्मीद है।

परियोजना की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं

साइट का स्थान	माजरा मुस्तिल, भालखी, जिला रेवाड़ी, हरियाणा
कुल भूमि	210 एकड़ 3 कनाल 5 मरला
परियोजना की लागत	रुपये 1646 करोड़
निर्माण कार्य लागत	रुपये 1221 करोड़
निकटतम राजमार्ग	राष्ट्रीय राजमार्ग-11 (रेवाड़ी-नारनौल रोड)
निकटतम शहर	रेवाड़ी शहर लगभग 25 कि.मी.
निकटतम रेलवे स्टेशन	कुंड लगभग 3 किलोमीटर की दूरी पर है
निकटतम हवाई अड्डा	दिल्ली लगभग 96 किलोमीटर पर है

प्रस्तावित सुविधाएं:

अस्पताल	750 बिस्तर (720 बिस्तर + आयुष 30 बिस्तर) आईसीयू (75 बिस्तर) 16 एमओटी +2 माइनर ओटी, ट्रॉमा (30 बिस्तर)
सुपर स्पेशलिटी विभाग	15
मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर:	16
मेडिकल कॉलेज	सालाना 100 एमबीबीएस
नर्सिंग कॉलेज	प्रतिवर्ष 60 प्रवेश
सभागार	500 क्षमता
रात्रि आश्रय	150 क्षमता
आवासीय इकाइयाँ	टाइप II-108 टाइप III-18 टाइप IV-21 टाइप V-24 टाइप VI-6 निदेशक निवास
छात्र छात्रावास	यू.जी. लड़के-240 यू.जी. लड़कियाँ-240 पी.जी. लड़के और लड़कियाँ-312 नर्सिंग लड़के एवं लड़कियाँ- 288
वर्किंग नर्सिंग हॉस्टल	150
अन्य सुविधाएं	गेस्ट हाउस शॉपिंग + कैफेटेरिया पशु गृह सेंट्रल डाइनिंग मेस आदि
सेवा ब्लॉक	एचवीएसी प्लांट रूम; फायर स्टेशन, बायो-मेडिकल और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन